IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

जनपद पीलीभीत के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय व परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन।

अमित कुमार प्रवक्ता, महेन्द्र कुमार सिंह, प्राचार्य
जिला शिक्षा एंव प्रशिक्षण संस्थान, पीलीभीत

सारांश

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों की शैक्षिक उपलब्धि की क्या स्थिति है शासन द्वारा प्रदत्त सुविधाओं का सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है या नहीं? विद्यालयों में प्रदान की जा रही सुविधाओं का बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर क्या प्रभाव पड़ता है, यह जानने के विषयक प्रस्तुत शोध कार्य को कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा–6, 7 व 8 की बालिकाओं पर सम्पन्न किया गया । शोध कार्य करने हेतु बालिकाओं का शैक्षिक उपलब्धि ज्ञात करने के लिए सामाजिक अध्ययन, विज्ञान, गणित व हिन्दी विषय को सम्मिलित करते हुए स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। शोध कार्य में न्यादर्श हेतु यादृच्छिक प्रति चयन विधि का प्रयोग करते हुए पीलीभीत जनपद के चार विकास खण्डों के 5 कस्तूरबा गॉधी आवासीय विद्यालय और 5 उच्च प्राथमिक विद्यालयों का चयन स्तरीकृत न्यादर्श विधि से किया गया। शोघ कार्य से प्राप्त प्रदत्तों का सांख्यिकींय विश्लेषण मध्यमान, मानक विचलन तथा t-मान की गणना के आधार पर किया गया है। शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करने पर निष्कर्ष रूप में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नही पाया गया है।

कूट शब्द :– कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, शैक्षिक उपलब्धि एवं परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय

प्रस्तावना–

शिक्षा विभाग द्वारा बालिकाओं की शिक्षा में प्रोत्साहन देने के लिए किये जा रहे सत्त प्रयासो में राष्ट्रीय स्तर से संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना भी एक है। इस योजना के अन्तर्गत वंचित एवं पिछडे. वर्ग की ऐसी बालिकायें जो सुविधाहीन तथा दुर्गम स्थानो पर निवास करती है उनके लिए सभी आवश्यक सुविधायुक्त आवासीय विद्यालय संचालित है शैक्षिक व्यवस्था से विद्यार्थियों में सद्गुण, बुद्धिमत्ता, सदाचार और सीखने की शक्ति का विकास यथार्थ रूप से होता है। यदि विद्यार्थियों को उचित प्रकार की शैक्षिक व्यवस्था एवं वातावरण में शिक्षित करें तो वह दृढ. व पूर्ण रूप से विकसित

Scanned with CamScanner

होती है। सामाजिक एवं पारिवारिक रूढिवादियों, अंधविश्वासों और कुप्रथाओं के कारण बालिकाओं को शिक्षा से वंचित किया गया है। आज भी ऐसे कई कारण है जिसके कारण हमारे समाज में बालिकाओं को महत्व नही दिया जा रहा है, घर के बाहर बालिका स्वयं को सुरक्षित नही मानती तथा आये दिन अपराधो के भय से अभिभावक बालिकाओं को शिक्षा के लिए घर से दूर भेजना पसन्द नही करते है। भारत सरकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा शिक्षा की दृष्टि से पिछड़े हुए विकास खण्डों में बालिका साक्षरता दर को बढ़ाने एवं महिला–पुरूष की सभी प्रकार की असमानता को दूर करने के लिए कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय वित्तीय वर्ष 2003–04 से प्रारम्भ किये गये। ये विद्यालय पढाई छोडे हुये, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली बालिकाओं के लिए संचालित है, यहाँ कक्षा 06 से कक्षा 08 तक की प्रारम्भिक शिक्षा प्रदान की जाती है, इन विद्यालयों में बालिकाओं को निःशुल्क शिक्षा, भोजन एवं आवास की सुविधा प्रदान की जाती है। इन विद्यालयों में बालिकाओं को मुफ्त शिक्षा, रहना–खाना, यूनिफार्म, किताब–कॉपी, पेन–पेन्सिल, दैनिक जरूरत की चीजें जैसे :– साबुन, तेल आदि दी जाती है। छात्रवृत्ति के रूप में रूपया 100 प्रतिमाह प्रदान किये जाते है। ऐसे विद्यालयों में प्रदत्त सुविधाओं का इन बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर क्या प्रभाव पड़ता है, यह जानना आवश्यक हैं। अतः इस शोध की आवश्यकता महसूस की गयी।

कूट शब्दों का परिभाषीकरणः–

- **कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय–** भारत सरकार द्वारा अगस्त 2004 में उच्च प्राथमिक स्तर पर आवासीय विद्यालयों की स्थापना के लिए शुरू किये गये है जिसमें कक्षा–5 में ड्राप आउट अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक बालिकाओं का निःशुल्क प्रवेश होता है।
- **परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय–** शासन द्वारा संचालित वह विद्यालय जो कक्षा–6 से 8 तक विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करते है।
- **शैक्षिक उपलब्धि–** इससे तात्पर्य विद्यार्थियों की विभिन्न विषयों में प्राप्त परिणामों के आधार पर शैक्षिक योग्यता से है।

शोध के उद्देश्य–

1- कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा–6 की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2- कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा–7 की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3- कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा–8 की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँः–

1. कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा–6 की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।
2. कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा–7 की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।
3. कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा–8 की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

Scanned with CamScanner

परिसीमन :–

1. प्रस्तुत शोध कार्य पीलीभीत जिले के चार विकास खण्ड बीसलपुर, मरौरी, बिलसण्डा और बरखेड़ा में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं तक ही सीमित किया गया है।
2. प्रस्तुत शोध कार्य पीलीभीत जिले के चार विकास खण्ड बीसलपुर, मरौरी, बिलसण्डा और बरखेड़ा में संचालित उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं तक ही सीमित किया गया है।
3. प्रस्तुत शोध कार्य चार विकास खण्ड के पाँच कस्तूरबा गॉधी आवासीय बालिका विद्यालयों और पाँच उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कुल 10 विद्यालयों पर किया गया है।

शोध विधि :–

शोध अध्ययन हेतु शोधकर्ता द्वारा शोध विधि के लिए वर्णनात्मक अनुसंधान के

सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है।

न्यादर्श विधि :– प्रस्तुत शोध में शोधकर्ता ने न्यादर्श के गुणों को ध्यान में रखते हुए स्तरीकृत यादृच्छिक का प्रतिचयन विधि का प्रयोग किया है, जो सम्भाव्य न्यादर्श का एक प्रकार है।

न्यादर्श :–

न्यादर्श के रूप में जनपद पीलीभीत के विकास खण्ड बीसलपुर, मरौरी, बिलसण्डा और बरखेड़ा में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की 150 बालिकाओं एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत 150 बालिकाओं का चयन किया गया।

- **न्यादर्श में सम्मिलित विद्यार्थियों की संख्या :**

क्र0स0	विद्यालय	कक्षा–6	कक्षा–7	कक्षा–8	योग
1	कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय	50	50	50	150
2	उच्च प्राथमिक विद्यालय	50	50	50	150

शोध उपकरण :– प्रस्तुत शोध में शोधकर्ता द्वारा शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण हेतु सामाजिक अध्ययन, विज्ञान, गणित व हिन्दी विषयों को सम्मिलित करते हुए स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

Scanned with CamScanner

प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ :–

अनुसंधान कार्य का विवेचनात्मक अध्ययन करने के लिए सांख्किीय विधियों का प्रयोग किया जाता है। परिणामों एवं निष्कर्षों को विश्वसनीय एवं वैध रूप में प्रस्तुत किया जाता है। प्रस्तुत अध्ययन के प्रदत्तों के विश्लेषण एवं विवेचना के लिए निम्न सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग किया गया है :–

- **मध्यमान :** मध्यमान को गणित में औसत भी कहते हैं तथा इसी का दूसरा नाम समान्तर माध्य है :

$$\text{mean M} = \frac{\sum X}{N}$$

- **मानक विचलन :**

$$\sigma = \sqrt{\left(\frac{\sum X^2}{N} - \left(\frac{\sum X}{N}\right)^2\right)}$$

- **t – परीक्षण :** दो समूहों की सार्थकता की जांच के लिए t परीक्षण का प्रयोग किया जाता है :–

t= (M1 - M2)/SED

M_1 = प्रथम समूह का मध्यमान
M_2= द्वितीय समूह की मध्यमान
SD= दोनों समूहों का अन्तर की प्रमाणिक त्रुटि
SD का मान निम्न सूत्र से ज्ञात किया जाता है :–

$$\text{SD} = \sqrt{\frac{\sigma_1^2}{N_1} + \frac{\sigma_2^2}{N_2}}$$

$\sigma 1$ – प्रथम समूह का मानक विचलन
$\sigma 2$ – द्वितीय समूह का मानक विचलन

N_1 – प्रथम समूह में इकाईयों की संख्या
N_2 – द्वितीय समूह में इकाईयों की संख्या

Scanned with CamScanner

सांख्यिकीय विश्लेषण :–

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु प्रयुक्त न्यादर्श का मध्यमान, मानक विचलन और t-मान के आधार पर सांख्यिकीय विश्लेषण कार्य निम्नानुसार किया गया है–

परिकल्पना क्रमांक–01

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा–6 की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

सारणी क्रमांक – 01

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्ताकों का सांख्यिकीय विश्लेषण–

क्र0स0	विद्यालय	छात्र संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	df	t- मान	परिणाम
1	कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा–6 की बालिकाऐं	50	27.04	32.49	98	0.25	असार्थक
2	उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा–6 की बालिकाऐं	50	18.64				

व्याख्या :– प्रदत्तों की गणना से प्राप्त परिणामों के आधार पर उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में कक्षा 6 में अध्ययनरत बालिकाओं व उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं के मध्यमान क्रमशः 27.04 व 18.64 है इनका मानक विचलन 32.49 है, इनका t–मान 0.25 है, जो स्वतन्त्रता के अंश 98 के लिए t के 0.05 सार्थकता स्तर पर मान 1.98 तथा 0. 01 स्तर पर मान 2.63 से कम है। इस प्रकार t का गणना मान सार्थक अन्तर प्रदर्शित नहीं करता है। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की बालिकाओं एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया, अतः परिकल्पना क्रमांक 01 स्वीकृत की जाती है।

Scanned with CamScanner

परिकल्पना क्रमांक–02

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा–7 की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

सारणी क्रमांक – 02

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्ताकों का सांख्यिकीय विश्लेषण–

क्र0सं0	विद्यालय	छात्र संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	df	t- मान	परिणाम
1	कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा–7 की बालिकाऐं	50	23.74	30.99	98	0.10	असार्थक
2	उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा–7 की बालिकाऐं	50	20.42				

व्याख्या :– प्रदत्तों की गणना से प्राप्त परिणामों के आधार पर उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में कक्षा 7 में अध्ययनरत बालिकाओं व उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं के मध्यमान क्रमशः 23.74 व 20.42 है इनका मानक विचलन 30.99 है, इनका t–मान 0.10 है, जो स्वतन्त्रता के अंश 98 के लिए t के 0.05 सार्थकता स्तर पर मान 1.98 तथा 0.01 स्तर पर मान 2.63 से कम है। इस प्रकार t का गणना मान सार्थक अन्तर प्रदर्शित नहीं करता है। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की बालिकाओं एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया, अतः परिकल्पना क्रमांक 02 स्वीकृत की जाती है।

Scanned with CamScanner

परिकल्पना क्रमांक–03

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा–8 की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

सारणी क्रमांक – 03

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्ताकों का सांख्यिकीय विश्लेषण–

क्र0सं0	विद्यालय	छात्र संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन (SD)	df	t- मान	परिणाम
1	कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा–8 की बालिकाऐं	50	21.7	23.99	98	0.04	असार्थक
2	उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा–8 की बालिकाऐं	50	20.56				

व्याख्या :–

प्रदत्तों की गणना से प्राप्त परिणामों के आधार पर उपर्युक्त तालिका से स्पष्ट है कि कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में कक्षा 8 में अध्ययनरत बालिकाओं व उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं के मध्यमान क्रमशः 21.7 व 20.56 है इनका मानक विचलन 23.99 है, इनका t–मान 0.04 है, जो स्वतन्त्रता के अंश 98 के लिए t के 0.05 सार्थकता स्तर पर मान 1.98 तथा 0. 01 स्तर पर मान 2.63 से कम है। इस प्रकार t का गणना मान सार्थक अन्तर प्रदर्शित नहीं करता है। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की बालिकाओं एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया, अतः परिकल्पना क्रमांक 03 स्वीकृत की जाती है।

Scanned with CamScanner

निष्कर्ष :–

संकलित आंकड़ों के सांख्यिकी विश्लेषण के द्वारा शोध परिकल्पनाओं की जाँच

की गयी तथा विश्लेषण के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुए है –

- कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 06 की बालिकाओं व उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 06 की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।
- कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 07 की बालिकाओं व उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 07 की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।
- कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 08 की बालिकाओं व उच्च प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 08 की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।

सुझावः–

शोधकर्ता ने अपने इस शोध को वैज्ञानिक एवं वस्तुनिष्ठ पूर्वक सम्पन्न किया है परन्तु यह गर्व नहीं किया जा सकता है कि यह आदर्श शोध है, प्रस्तुत शोध में अनेक सीमायें थी और इसके पृष्ठपोषण के लिए पर्याप्त क्षेत्र है इसलिए भविष्य में अनुसंधान हेतु निम्नलिखित शीर्षकों के सुझाव प्रस्तुत है जिससे की प्रस्तुत शोध के परिणामों की सत्यता प्रमाणित हो सके।

1. प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है इस अध्ययन में प्रयोगात्मक विधि का अध्ययन करके निष्कर्ष प्राप्त किया जा सकता है।
2. प्रस्तुत शोध कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय और माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों पर भी किया जा सकता है।
3. प्रस्तुत शोध कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय व उच्च प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत अध्ययापकों की शैक्षिक योग्यता पर भी किया जा सकता है।

आभारः–

_____प्रस्तुत शोध अध्ययन को राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, लखनऊ, उत्तर प्रदेश की वित्तीय सहायता के माध्यम से श्री दरवेश कुमार वरिष्ठ प्रवक्ता जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बीसलपुर, पीलीभीत के मार्गदर्शन में सम्पन्न किया गया है।

Scanned with CamScanner